खेती अपनी संस्कृति

खेती मानव की संस्कार का भाग है। क्या है खेत? अपनी जीवन का संरक्षण करने के लिए हमारा धरती की मिट्टी में खाने का चीज़ों के उत्पादन किया है। यह चीज़ों से हमारा जीवन बीतानेवाला है। यह है खेती।

इस लोक की सारे भूगोल में खेती है और खेती करनेवाला लोगों है। खेती करनेवाला दो प्रकार लोगों है। जीवन बीतानेवाला के लिए खेती करने वाले लोगों①, पैसा के लिए समाज में ②मूल्यदा क्रोपस खेती करनेवाले लोगों। इस दो प्रकार के लोगों का समाज के लिए अनिवारि है। इन दोनों की सन्तुलिता से समाज का विकास होता है।

भारत है हमारा राज्य। भारत का संस्कृति है हमारा संस्कृति। भारत ने खेती की कार्यक्रम में बहुत दूर यात्रा किया है।

① चरित्र पठने तो हम समझेंगी की भारत की संस्कार

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 645 Participant Code: 339

को खेती ~~में~~ ~~बने~~ ~~संबध~~ धर्न-संबध है। हमारा हिड़ नदीतट संसाकार में दरावीटास और इन्टस नदी की तट में खेती करने थे। खाने के लिए तो लोगों खेती करती थी। इसका भौगोलिक सामग्रियों इसको मिलता है। चावल, गुद, गोतब - जेसे सामग्रियाँ मिलने के लिए, जीवन बीताने के लिए वे खेती करती थी। इससे इसको समझता ता की दो-चार हज़ार साल की पहले भी खेती अपना, हमारा संस्कृति थी।

② लोक की विविध भौगोलिक संस्कार में भी खेता का महत्व हम दिखाती थी। मेसोपोटमियन संस्कार, ईजीपषयन ~~संस्कार~~ संस्कार की लोगों भी जीवन बीताने के लिए खेती करती थी। नैल की तट में ईजीपषयन लोगों खेती करती ती। चरित्र यह कहना था की हीड़ू नदीतट संस्कार के लोगों और मेसोपोटमियन संस्कार लोगों के बीच खेती सामग्रियों का लेन-देन होता हुआ था।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 645 Participant Code: 339

(2) आधुनिक भारत की खेत एक-एक स्टेट में अलग अलग है। भारत की विविध राज्यों में अलग-अलग खेती करती है। एक एक भारत की स्टेटों का भौगोलिक स्थिति और वातावरण के स्वभाव मानकर अलग-अलग खेती सामग्रियों खेती करते हैं।

भारत की स्टेटों का भौगोलिक स्थिति मानकर हमारे राज्य में चार खेती धरतियों हैं।

1. पूर्वी बड़ा प्लेन
2. पेनिनसुलार प्लेटू
3. हिमालयी पहाड़ों का नीचे जगहें
4. पश्चिम और पूर्वी समुद्र तट

(1) पूर्वी बड़ा प्लेन में बहुत प्लेनस हैं। पंजाब प्लेन, ब्रह्मपुत्रा प्लेन, राजस्थान प्लेन आदि हैं उदाहरण राजस्थान प्लेन बड़ा प्लेन है। यहाँ भारत की खूबी गेहूँ खेती होनेवाला है। ब्रह्मपुत्रा प्लेन का मिट्टी भलभूपिदाट है। यहाँ खूबी खाने सामग्रियों का खेती होनेवाला है। राजस्थान प्लेन

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

में बारली, धान कोपस जूट, कोतन आदी का खेती होनेवाला है। इस प्रदेश (पूरवी बड़ा प्लेन) का अपर नाम है दनाय घर। इससे हमको समझायेंगी की भारत की संस्कृति है खेती। इन जगहों के लोगों की सबकी सब प्रदान है खेती। यह सच है खेती अपना संस्कृति है।

② पेनिनसुलार प्लेट्ड की डेक्कान प्लेट्ड, मालवा प्लेट्ड, चोटा-नागपुर प्लेट्ड में भी खेती करती है। डेक्कान प्लेट्ड का मिट्टी है अलूवीयल मिट्टी। यह बहुत अनुकूल है। इससे खेती यहाँ बहुत खूबी है। पेनिनसुलार प्लेट्ड से हमारे (कितना लोगों के) खाने के चीजों मिलती है।

③ हिमालयी पहाड़ों की नीचे जगहों में अनाज, आपिल, ओरंज का खेती कहना है। यहाँ से विविध मधुर फलों हमको मिलती है।

④ केरल और तमिलनाडु में पश्चिम और पूर्वी समुद्र तट के मिट्टी में नालिकेर मिलता है। यहीं नालिकेर और अरेकनट खूबी में खेती करती है।

⑤ केरल और आसाम ~~से~~ से खूबी टी की चीज़ों मिलती है। यहाँ टी की पौधों खूबी से खेती करती थी।

केरल रब्बर की ~~रब~~ चीज़ों की प्रोटकशन में एकता स्थान में है। भारत में एकता स्थान में है। इस ~~क~~ रब्बर से टायर ~~का~~ और रब्बर चप्पल का उत्पादन होना है। इस क्रम से केरल का विकास कुछ भी होती है

इन सबसे से हमको एक बोध मिलती है। की खेती अपना संस्कृति है। खेती नहीं तो हम नहीं, हम नहीं तो खेती नहीं। खेती और हमारा जीवन परस्पर पूरक है। यह नहीं टूट पाते। इन सबसे में से हमको एक आवाज ~~सुनाई~~ सुनाते है, ये आवाज फिर फिर आते है। ~~यह है कि~~ "वाक्य यह है "खेती अपनी संस्कृति है"

③ लेकिन हमारा ~~व~~ राज्य में कुछ जगहों में खेती कम हो गयी है। क्या है कारण?

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 645 Participant Code: 339

① प्रथम कारण यह है की खेती से आय ज्यादा पैसा नही मिलता है। किसानों खूब भी करे लेकिन अंत में पैसा मिलना कमी हो गयी। इस कारण से बहुत लोगों खेती नही किया है।

② लोगों को एक सोचा होना है कि खेती करना बहुत बुरा काम है। कोई किसानों को भी ये विचार है। इसलिए किसानों अपने बच्चों को खेती का महत्व के बातों नही करता है। ऐसे खेती करने लोगों का कम हो गयी है।

③ खेती में तीन आदमीयों का प्रवर्त्तन है। एक- किसानों दो- दुकानदारों, तीन- बीजों बेचते लोगा। यहाँ दो- दुकानदारों के चूषण के कारण किसानों परेशान होती है। इनको न्याय पैसा नही मिलता है इस दुकानदारों किसानों को आदर नही देना है। दुकानदारों अपने के लिए पैसा मिलनेको किसानों को चूषक कि करना है। इसलिए खेती कम हो रही है।

④ दुकान में चीज़ों खूबी पैसे को बेचता है। लेकिन दुकानदार नहि पैसे किसान को देती है। यह एक कारण है।

⑤ ब्लाक मारकरीग - यह है दूसरा कारण। पैसा बड़े कंपनीयों को और धनी लोगों को खूबी पैसा मिलने के लिए ब्लाक मारकरीग कि करता है।

⑥ किसानों शक्त नहि। उनको लिए अधिक यूणियनों नहि। इस कारण से अपने प्रश्नों का मद्द मिलना असंभव है। इस कारण से खेती कम होता है।

बल सहित किसानों

इस प्रश्नों से मुक्ती पाने के लिए हम क्या करूंगे?

① किसानों को क्लास देंगा
ऐसे तो किसानों को नये खेती रीतीयों का परिचय मिले और खेती खूबी हो गयेगा

② खेती की प्रक्रिया में एक आदमी की भी अनिवार्यता है। यह सरकार है। सरकार को खेती में दो स्थान देंगो। इस प्रक्रिया ऐसे बनाएंगी की किसान खेती करनों - खेती की उत्पादन सरकार को देना करो - सरकार यह चीज़ों दुकादार को देंग - ऐसे ये चीज़ों आम आदमी

को मिले। सरकार की प्रभाव में किसानों को इस प्रकार प्रक्रिया से न्याय पैसा मिलेगा। ऐसे करना वहुत बहुत अनिवारय है।

③ किसानों की यूणियन का ओरगेशन शुरु करो। किसानों को स्टेट यूणियन और सेन्टरल यूणियन का ओरगेशन अनिवार्य है। इस प्रकार में किसानों को अपने प्रश्नों को कहना का संदर्भ और इस प्रश्नों से मुक्ती पाने का उपाय मिलाते है। याद ले यूणियन का शब्द किसानों का शब्द है। इस यूणियनों से किसानों सशक्त होता है और राज्य में (भारत में) खेत खुली हो गयी।

④ युवों और बच्चों के मन में खेता की महत्व का विचार होने के लिए किसान सेना शुरु करो। हाक हाक छोटे समाज में किसान सेना शुरु करो, यह अनिवारि है। ऐसे बच्चों और युवों का मन में 'खेती हमारा दायित्व है' का विचार होते है।

(5) किसानों को सरकार की विविध परियोजनाओं की अच्छे गुणों का कहने के लिए एक समाज किसान सेंटर शुरु करो। ऐसे किसानों को सेंटरल और स्टेट सरकार की विविध परियोजनाओं को समझना होगा और खेती का खेती वर्धन हो जायी।

(6) किसानों को सेंटरल और स्टेट सरकार को पत्र लिखना अनिवार्य है। ऐसे सरकार को किसानों का मन समझना और अच्छे ओडरें देंगी। ऐसे खेती खूबी होगयी।

भारत की संस्कार है खेती। यह टूटा न पावे।
आओ भाग लो, एक स्वर में कहो - 'खेती अपनी संस्कृति है'